सा विद्या या विमुक्तये

प्रथम स्वामी सहजानंद स्मृति राष्ट्रीय समाज विज्ञान संगोष्ठी

वेदांत दर्शन तथा आध्यात्मिक प्रयोगवाद

वेदांत दर्शन गांव से शहर की ओर प्रयाण का संकेत देता प्रतीत होता है। वैदिक वांगमय जहां गृहस्थ केंद्रित था, वहीं वेदांत वांग्मय में सन्यास केंद्र में दिखाई देता है। अराधना का लक्ष्य समृद्धि और स्वर्ग से हटकर मुक्ति की ओर मुड़ जाता है। वेदांती दार्शनिक ग्राम्य संस्कृति का माखौल उड़ाते हैं तथा 'ग्राम्य' शब्द फूहड़ता के पर्याय की तरह प्रयोग किया जाता है। त्याग से मुक्ति की भावना इतनी प्रबल हो जाती है कि कालांतर में कर्मवाद तथा भक्तिवाद के प्रचार की आवश्यकता पड़ती है। क्या वेदांत दर्शन में सचमुच आध्यात्मिक क्रांति तथा प्रयोगवाद के लक्षण उपलब्ध थे अथवा उपर्युक्त विवेचन मात्र पश्चिमी विद्वानों की तथ्यहीन व्याख्या भर है? हिन्दू धर्म में आध्यात्मिक प्रयोगों की पर्याप्त छूट मिली हुई है जो इसे चिरंतन और सनातन बनाती है। इस प्रयोगवाद में वेदांत दर्शन का क्या योगदान है? क्या वेदांत दर्शन ने अन्य त्यागमार्गी पंथों को प्रेरणा दी? भारत में आध्यामिक प्रयोगवाद की अद्यतन स्थिति क्या है? क्या हिन्दू आध्यात्म अनिवार्यतः लोकवादी तथा विद्रोही प्रकृति का है, जैसा कि नवोदित लोकवादी इतिहासकार इसे बताते हैं? भारत के इतिहास तथा संस्कृति को तात्कालिक आध्यात्मिक कल्पनाओं से अलग कर समझना असंभव क्यों है? इन प्रश्नों पर चिंतन के लिये स्वामी सहजानंद सरस्वती बी एड कॉलेज द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन प्रस्तावित है जिसमें आपकी भागीदारी आमंत्रित है। कृपया अपने विचारों से इस आयोजन को सार्थक बनायें।

भवदीय

प्रभु नारायण राय

प्रभु नारायण राय

अध्यक्ष, कार्यकारिणी

स्वामी सहजानंद सरस्वती बी एड कॉलेज

बोकारो स्टील सिटी

SWAMI SAHAJNAND SARASWATI B.Ed COLLEGE BOKARO

संगोष्ठी के प्रस्तावित उपविषय

1. वेदांत दर्शन की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
2. बृहदारण्यक उपनिषद में मुक्ति की अवधारणा
3. योग दर्शन तथा सन्यास
4. कृषक आंदोलनों के सन्यासी नेता
5. आदिवासी आंदोलनों के सन्यासी नेता
6. 1857 का विप्लव तथा कुंभ मेला
7. भक्ति आंदोलन तथा उपनिषद
8. आधुनिक धार्मिक पुनर्जागरण तथा वेदांत दर्शन
9. स्वामी विवेकानंद तथा भारतीय संस्कृति की विदेशों में पुनर्प्रतिष्ठा
10. आध्यात्म तथा भाग्यवाद
11. आध्यात्म तथा विज्ञानवाद
12. आधुनिक भारतीय समाज की आध्यात्मिक कल्पनाएं
13. भारतीय आध्यात्म तथा दलित वर्ग
14. भारतीय आध्यात्म तथा स्त्रियां
15. वेदांत दर्शन तथा वर्तमान विद्यालय स्तरीय शिक्षण
16. अन्यान्य

अपने शोधपत्र निम्न पते पर भेजें

डॉ शिवमूर्ति कुमार, प्रशासक, स्वामी सहजानंद सरस्वती बी एड कॉलेज, सेक्टर आठ, सूर्य मंदिर के उत्तर में स्थित, बोकारो स्टील सिटी, 827003।

महत्वपूर्ण तिथियां

शोध सार भेजने की अंतिम तिथि	17 अप्रैल 2017
चयनित पूर्ण शोध पत्र भेजने की अंतिम तिथि	15 मई 2017
संगोष्ठी की तिथि	20–21 जून 2017
निबंधन की अंतिम तिथि	10 जून 2017

निबंधन शुल्क

प्राध्यापक तथा शिक्षक	500 रूपये
छात्र तथा शोधार्थी	200 रूपये

SWAMI SAHAJANAND SARASWATI B.Ed. COLLEGE BOKARO